Abstract

This dissertation aims to establish propositional negation and polarity as fundamental and distinct concepts in the study of Language. To attain this objective, I present the case of Wagdi, a Western Indo-Aryan Language and a variety of the Bhil Language group, spoken primarily in the Dungarpur and Banswara districts in Southern Rajasthan. Wagdi has 5 'negative' lexical items that appear in different contexts. I show that out of these lexical items, only one (*ne*) is the propositional negator, representing the semantic negation of declarative eventive sentences. The other four (*na*, *nathi*, *nakke,* and *nakk*) are polarity markers representing discourse-level disagreement or denial of an utterance. In the dissertation, I propose a syntactic model in the generative framework for the propositional negator and the polarity markers in Wagdi. I describe polarity as a morphosemantic feature that 'links' the (dis-)belief of the interlocutors in the discourse to the embedded propositional structure. Thus, my proposed model integrates the discourse and the propositional domain to account for the discourse-level and proposition-level properties of polarity markers in Wagdi.

सार

इस शोध प्रबंध का उद्देश्य भाषा के अध्ययन में प्रस्तावात्मक निषेध और ध्रुवता को मौलिक और विशिष्ट अवधारणाओं के रूप में स्थापित करना है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, मैं वागड़ी भाषा का मामला प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो एक पश्चिमी इंडो-आर्यन भाषा और भील भाषा समूह की एक किस्म है। यह मुख्य रूप से दक्षिणी राजस्थान के डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिलों में बोली जाती है। वागडी में 5 'नकारात्मक' शब्द हैं जो विभिन्न संदर्भों में पाए जाते हैं। मैं यह दिखने का प्रयास करता हूं कि इन शब्दों में से केवल एक (*ने*) प्रस्तावात्मक निषेधक है, जो घोषणात्मक और घटनात्मक वाक्यों के अर्थ संबंधी निषेध का प्रतिनिधित्व करता है। अन्य चार (*ना, नाथी, नक्के,* और *नक्क*) ध्रुवता मार्कर हैं जो प्रवचन-स्तर की असहमति या किसी कथन के खंडन का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस शोध प्रबंध में मैं वागडी में प्रस्तावक नकारात्मक और ध्रुवीयता मार्करों के लिए जेनरेटिव ढांचे में एक वाक्यविन्यासी मॉडल का प्रस्ताव करता हूं। मैं ध्रुवीयता को एक रूपात्मक व अर्थ-संबंधी (morphosemantic) फीचर के रूप में वर्णित करता हूं जो प्रवचन में वार्ताकारों के (अ)विश्वास को अंतर्निहित प्रस्ताव संरचना से जोड़ने का कार्य करती है। इस प्रकार मेरा प्रस्तावित मॉडल ध्रुवीयता मार्करों के प्रवचन-स्तर और प्रस्ताव-स्तर गुणों को ध्यान में रखते हुए प्रवचन और प्रस्तावक डोमेन को एकीकृत करता है।